समाचार

डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ काँगों में हिंसा और विस्थापन को लेकर ऐनाबैपटिस्ट लोगों द्वारा उठाया गया सहायता का कदम

डीआर काँगों के कसाई प्रान्त के क्षिकापा के निकट केले गाँव में, संयुक्त ऐनाबैपटिस्ट सहायता के लिए जानकारियाँ जुटा रही आंकलन समिति द्वारा पूछे जा रहे प्रश्नों का उत्तर देते हुए आन्तरिक रूप से विस्थापित हुए लोग। फोटो: जोसफ नकोगोला

विज्ञप्ति जारी करने की तारीख: सोमवार 28 अगस्त, 2017

एक्रोन, पेन्नसिलवेनिया, अमरीका – डेमोक्रटिक रिपब्लिक ऑफ काँगों (डीआर काँगों) के कसाई क्षेत्र में सशस्त्र संघर्ष के कारण विस्थापित हुए 14 लाख लोगों तक एक संयुक्त ऐनाबैपटिस्ट कदम भोजन, घरेलु उपयोग की वस्तुओं और सिर छिपाने के स्थान तैयार करने की सामग्रियाँ के रूप में शीघ्र ही पहुँच रहा है।

इस योजना को काँगोलिस मेनोनाइट और मेनोनाइट ब्रदरन चर्च की राहत समितियों के द्वारा तैयार कर रूप दिया गया, मेनोनाइट सेन्ट्रल कमेटी के द्वारा इसका संयोजन किया गया, और मेनोनाइट वर्ल्ड कॉन्फ्रेंस और अन्य ऐनाबैपटिस्ट संस्थाओं के द्वारा इसमें सहयोग किया गया।

इस संकट का आरम्भ एक वर्ष पूर्व आरम्भ हुआ जब कमुइना नस्पु नामक एक स्थानीय उग्रवादियों के समूह और सुरक्षा बलों के बीच में एक राजनैतिक नियुक्ति को लेकर संघर्ष हो गया। इस संघर्ष ने बहुत बुरा रूप धारण कर लिया और उग्रवादियों तथा सेना दोनों ने ही सामान्य नागरिकों को निशाना बनाते हुए उन्हें अपने साथ शामिल होने को मजबूर किया, कई लोगों के अंग भंग कर दिए, महिलाओं के साथ बलात्कार किए, और नरसंहार किया।

अफ्रीका इन्टर मेनोनाइट मिशन (एआईएमएम) के रोड होलिंगर जेनसन ने बताया, ''हमारे लोगों में से अनेक के लिए यह पृथ्वी पर नरक के समान है, न सिर्फ मेनोनाइट परन्तु बहुत से शान्तिप्रिय लोग इस उथल पुथल से प्रभावित क्षेत्र में फँसे हुए हैं।''

डीआर काँगों में विस्थापित हुए लोगों में से लगभग 8000 लोग मेनोनाइट है। होलिंगर ने बताया, ''ऐसा कोई स्थान नहीं है जहाँ यह संघर्ष पहुँचा और वहाँ मेनोनाइट कलीसियाएं न हों।''

कलीसिया के अगुवों द्वारा यह सूचना दी गई है कि पिछले यूएन द्वारा मृतकों की हुई गणना के अनुसार अक्टूबर माह से अब तक 3300 में से 36 लोग मेनोनाइट हैं। कलीसिया के भवनों और कलीसिया द्वारा संचालित स्कूलों के भवनों को क्षति पहुँचाई गई

है या नष्ट कर दिया गया है।

डीआर काँगों में राष्ट्रीय और मेनोनाइट अगुवे– एमडबल्यूसी की सदस्य कलीसियाओं से – हमारे कदम को आगे बढ़ाने वाले प्रमुख लोग हैं, इस कदम के अन्तर्गत आरम्भ में त्शिकापेन कसाई प्रान्त और क्विलु केकवित प्रान्त के नगरों पर प्रमुख रूप से कार्य किया जाएगा, जहाँ बहुत से लोगों ने भाग कर शरण लिया है। अगुवों में कम्युनेट मेनोनाइट अउ काँगों (सीएमसीओ; मेनोनाइट चर्च आफ काँगों) और कम्युनाटेडेस इगलिसेस डी फ्रेरेस मेनोनाइट अउ काँगों (सीइएफएमसी; मेनोनाइट ब्रदरन चर्च ऑफ काँगों) के सदस्य प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

''वर्तमान में एमडब्लयूसी एक महत्वपूर्ण भूमिका पूरी कर रही हैः एकता और सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए हमारे मेनोनाइट परिवार के सदस्यों को साथ लाने और दुख सह रहे अपने एक अंग (काँगोलिस मेनोनाइट लोगों को) को सहयोग करने की; इसके लिए यह अपने विभिन्न साझेदार रूपी भुजा का प्रयोग कर रही है, जो कदम उठाने के लिए एक हुए हैं, ताकि वे अधिक प्रभावशाली हो सकें,'' यह बात काँगोलिस चर्च के एक सदस्य ने कहा, वे आगे कहते हैं, ''इस कदम के द्वारा, मेनोनाइट लोग मेनोनाइट मूल्यों का प्रचार कर सकेंगे जिन्हें काँगों के लोगों ने अब तक शायद ही सुना हो। मेरा विचार है कि हमारी कलीसियाएं अपने तम्बू का विस्तार करेंगी।''

जुलाई माह में स्थिति का आंकलन करने के लिए एक काँगोलियाई समूह ने कसाई क्षेत्र का दौरा किया और यह पाया कि भोजन की भारी कमी है और कुपोषण बढ़ता जा रहा है।'' जब लोग हिंसा से बचने को भाग रहे थे तो उन्हें अपने खेतों और पशुओं को छोड़ना पड़ा था, तथा जो भोजन बाजार में अभी उपलब्ध है वह बहुत महंगा है।

डीआर काँगों में एमसीसी के प्रतिनिधि मुलान्डा जिमी जुमा ने बताया, ''अनेक लोग भूखे हैं या दिन में सिर्फ एक ही बार भोजन कर रहे हैं।''

आंकलन करने वाले दल ने बताया कि इसके अतिरिक्त, परिवारों के पास बिस्तर, रसोई के समान, और पानी भरने के लिए बाल्टियाँ और अन्य बर्तन भी नहीं हैं।

डीकन कमीशन के सचिव हेन्क स्टेनवर्स ने कहा है, ''एमडब्लूसी की ओर मेनोनाइट नेशनल चर्चेज़ सीएमसीओ, सीइएफएमसी और कम्युनेट इवान्जेलिक मेनोनाइट, और काँगो के शरणार्थियों की सहायता कर रहे अंगोला के लोगों को आवश्यक सहयोग मिलता रहेगा। एमडब्लयूसी संघर्ष में फँसे सदस्यों को वैश्विक कलीसिया के साथ जोड़ने के लिए प्रार्थना निवेदन कर रही है, आर्थिक सहयोग दे रही है, और स्थिति के बारे में जानकारियाँ अन्य मेनोनाइट कलीसियाओं तक पहुँचा रही है।''

सात ऐनाबैपटिस्ट संस्थाएं एक साथ मिलकर कार्य करते हुए आर्थिक सहायता इकट्ठा कर रही हैं और संकट के बारे में लोगों को जागरूक कर रही है, जिसे पश्चिमी मीडिया ने काफी अनदेखा किया है। इन सात ऐनाबैपटिस्ट संस्थाओं के नाम हैंः एमडब्ल्यूसी, एआईएमएम और एमसीसी के साथ साथ मेनोनाइट ब्रदरन, एमबी मिशन, मेनोनाइट चर्च कनाडा विटनेस, और मेनोनाइट मिशन नेटवर्क।

डीआर काँगों के लिए अपातकालीन सहायता इस वेबसाइट के माध्यम से दी जा सकती हैः mcc.org/congo-relief

एमडब्ल्यूसी से प्राप्त जानकारियाँ के आधार पर एमसीसी की एक विज्ञप्ति।

डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ काँगों में हिंसा और विस्थापन का सामना कर रहे अपने भाई और बहनों के लिए जब आप प्रार्थना करते हैं, तो मेनोनाइट वर्ल्ड कॉंफ्रेंस आपकी ओर से वहाँ की कलीसियाओं के लिए प्रोत्साहन और सहानुभूति के संदेश आमंत्रित करता है।
अपनी कलीसिया के साथ एक तस्वीर लें और ''प्रिओंस पोर ला आरडीसी'' (डीआरसी के लिए प्रार्थना करें) लिखा एक बैनर लें। इमेल संदेशों और इन तस्वीरों को photos@mwc-cmm.org को ईमेल करें और हैशटैग #mwcmm के साथ सोशल मीडिया में पोस्ट करें (फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम)।